I.

Lecture Series No. - 34.

| online class. |
|---|
| Date - 2/2/2022 |
| Day - |
| Time - 10:10 - 10:50 A.M |

Topic.

(1) Descartes.

Dr. Sunita Kumari
Depart. of Philosophy.
B.A part - I
paper - (S.)
A.N.D. College shahpur patory,
Samastipur,

Ans. - रेने देकार्त पाश्चात्य दर्शन के आधुनिक युग का प्रारंभ होता है।

देकार्त बुद्धिवादी दार्शनिकों में अपना प्रमुख स्थान रखता है। उसका का जन्म फ्रांस के तुरैन नामक नगर में हुआ (था) 1596 ई० में हुआ था वह शरीर का अत्यन्त दुर्बल परन्तु बुद्धि का अत्यंत प्रबल था। मध्यमवर्गीय परिवार में उत्पन्न हुए देकार्त ने कैथोलिक मत के जेसुइट पादरियों की शिक्षा संस्था में शिक्षा ग्रहण की उसने भौतिकशास्त्र गणितशास्त्र, नीतिशास्त्र और तर्कशास्त्र एवं तत्वमीमांसा

P.T.O.

(2)

विशेष अध्ययन से/ गणित आदि विषय विशेष अनुराग था। वह सैनिक रूप कार्य के लिए भेजा गया। 1617 ई० से 1629 ई० तक वह हालैंड में सैनिक रूप में रहा। उसने इंगलैण्ड इटली आदि देशों का भी भ्रमण किया। वह स्वभाव से प्रिय और शान्तिशील स्वभाव का था। इसका अंतिम समय स्वीडन के रानी और वहाँ की राजकुमारी क्रिस्टिना उसके दार्शनिक विचारों से बहुत अधिक प्रभावित हुई। 1650 ई० में स्वीडेन में ही उसकी मृत्यु हुई।

देकार्त के प्रमुख दार्शनिक ग्रन्थ हैं। दार्शनिक पद्धति पर विचार (Discourse of de la Methods) प्रारंभिक दर्शन की व्याख्या दर्शन के विषय में जानकारी प्राप्त करना

etc. END

(3)

विशेष अध्ययन किया गणित में विशेष अनुराग था। वह शिक्षा ग्रहण करने के लिए पेरिस गया। 1617 ई० से 1619 ई० तक वह हालैंड में सैनिक सेवा में रहा। उसने स्वीट्जरलैंड, इटली आदि देशों का भी भ्रमण किया। वह एकान्त ~~कि~~ प्रिय और मननशील व्यक्ति था। उसका अंतिम समय स्वीडन में बीता और वहाँ की राजकुमारी क्रिस्टिना उसके दार्शनिक विचारों से बहुत अधिक प्रभावित हुई। 1650 ई० में स्वीडन में ही उसकी मृत्यु हुई।

देकार्त के प्रमुख दार्शनिक ग्रन्थ हैं। दार्शनिक पद्धति पर विचार (Discourse of de la Methode) प्राथमिक दर्शन की साधना दर्शन के विषय में जानकारी प्राप्त करना etc.

END